प्रगति प्रतिवेदन

मानव जीवन विकास समिति

वर्ष 2018–19

मानव जीवन विकास समिति
ग्राम बिजौरी पोस्ट मझगवॉ जिला – कटनी (म.प्र.) 483501
फोन नं. – 07626–275223, 275232, 9425157561
ईमेल – mjvskatni@gmail.com
वेबसाइट– www.mjvs.org

''संदेश''

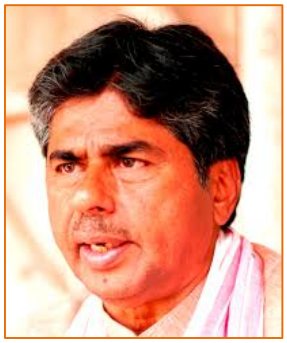

प्रत्येक परेशान, गरीब व वंचित समुदाय के व्यक्तियों की मदद व सहायता करें ताकि एक बराबरी के माहौल में लोग स्वच्छ वातावरण के अनुसार निवास कर सके । बुद्धिजीवियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, शुभचिंतकों ऐसे रूचि रखने वाले उस अंतिम व्यक्ति की मदद करे, जिसे उनकी आवश्यकता है ।

स्नेहयुक्त व्यवहार सबका सहयोग दिलाता है । और सबके सहयोग से हर मंजिल आसान हो जाती है।

डॉ0 राजगोपाल पी. व्ही.

''आभार''

मानव जीवन विकास समिति की 18 वीं वार्षिक रिपोर्ट आपके हाथ में है, जिसे आप पढ रहे हैं । मैं जानता हूॅ कि रिपोर्ट को पढते–पढते आप मुस्कुराते हुए टीम को धन्यवाद भी दे रहे हें और सोच रहे हैं कि ये सब कैसे खडा किया होगा । हम आपको धन्यवाद देते हुए साधुवाद दे रहे हैं जो आपने हमें इन पिछले 18 वर्षों में कई उतार चढाव में आपने हमें साथ दिया, आपको भले न स्मरण हो पर मुझे और मेरी टीम को आपकी एक एक बात हमें सीखने के लिये प्रेरणादायी रही है।

इस सेन्टर में आने के बाद मैंने अपने आपको इसी का बना के रखा शहर की बडी–बडी बिल्डिंग से अच्छा खेत की मिटटी, हरे भरे पेड, शाम सुबह चिडियों का चहकना, रात में कुत्तों का भोकना और रात में जंगली जानवरों का खेत में उत्पाद मचाना और उसे ठीक करना ही मेरी दिनचर्या बन गई । यहॉ आने के बाद मैंने तीन साल इसी सेन्टर को देखता व समझता रहा परन्तु मन नहीं माना और मैंने नवम्बर 2000 में अपने साथियों के साथ श्री राजा जी के मार्गदर्शन में मानव जीवन विकास समिति का गठन कर दिया और जबलपुर पंजीयक कार्यालय से रजिस्ट्रेशन करा ही लिया, लगन और आप सबकी दुआ सहयोग से समिति को यहॉ तक लाकर खडा किया।

आज इस सेन्टर में रहने के लिये आवास 100–150 तक के लोगों को बैठने के लिये हाल, साफ–सुथरी कीचिन, शेड, लायब्रेरी, आफिस को चलाने के लिये एक सक्षम टीम व साजो सामान के साथ परिपूर्ण है । भले ही कटनी से 13 किमी. की दूरी पर लाल मिटटी, मुरूम जंगल के बीच बिजौरी गॉव में सेन्टर अपने 27 एकड जमीन में स्थापित है लेकिन बिजौरी मझगवॉ का नाम दुनिया के कई देशों में लोगों के मुह की जवान पर आता है, जो भी जितने लोग भी इस सेन्टर को व समिति को जानते हैं उन सबको मैं पुनः आभार व्यक्त करते हुए पूरी रिपोर्ट पढ़ने के बाद आपके सुझाव आमंत्रित हैं।

निर्भय सिंह
सचिव
मानव जीवन विकास समिति

मानव जीवन विकास समिति–एक परिचय

मानव जीवन विकास समिति एक सामाजिक गैर–सरकारी संगठन है, जिसका गठन वर्ष 2000 में किया गया था। विगत 19 वर्षों में संस्था ने अपने उद्धेश्यों के प्रति सजग रहते हुए सराहनीय कार्य किया है और आगे निरन्तर ग्रामीण क्षेत्रों में काम कर रही है। समिति के ऑफिस स्टॉफ से लेकर फील्ड के कार्यकर्ताओं की क्षमतावृद्धि के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में वंचित समुदाय के साथ उनके क्षमता वर्धन हेतु प्रशिक्षणों का आयोजन करना व लोगों की स्थायी आजीविका की ओर अग्रसर बढ रही है, आम आदमी को हासिये से निकालकर मुख्यधारा में जोडने के लिये संस्था ने अनवरत् प्रयास किया है। मध्यप्रदेश के महाकौशल, बुन्देलखण्ड, बघेलखण्ड क्षेत्र के 262 गॉवों में सघन रूप से काम को बढा रही है, समिति के संस्थापक गॉधीवादी विचारक डॉ. राजगोपाल पी.व्ही. जी के निर्देशन में समिति के निम्न दस स्तम्भों पर विचार–विमर्श कर अपने काम को आगे बढाने में निरन्तर सक्रिय है जबकि समिति कटनी जिले के बडवारा तहसील के अन्तर्गत बिजौरी (मझगवॉ) में अपने 27 एकड के क्षेत्र में प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना, जडीबूटी संग्रह व संवर्धन, वृक्षारोपण व जैविक खेती को बढावा देते हुए किसानों को प्रशिक्षण देने का भी कार्य किया जा रहा है।

इसी के तहत बडवारा ब्लाक में निर्वाचित पंचायत महिला जनप्रतिनिधियों के साथ उनके शिक्षण–प्रशिक्षण व ग्रामसभा सशक्तिकरण, घरेलू हिंसा, स्कूल चले अभियान जैसे कार्यक्रमों के आयोजन मे महिलाओं के साथ सामाजिक मुद्धों पर कार्य को किया जा रहा है। समिति का मानना है कि वंचितों और किसानों के जीवन को बेहतर बनाने में सशक्त भूमिका निभाएगी जिससे भूखमुक्त और भयमुक्त समाज की रचना का सपना साकार हो सके।

दृष्टि :– गरीबी उन्मूलन की दिशा में प्राकृतिक संसाधनों के प्रबन्धन पर क्षमता वृद्धि कर जीविकोपार्जन के साधन खडे करना।

विजन/लक्ष्य :– प्राकृतिक संसाधनों के प्रबन्धन को सुचारू रूप से संचालित कर गरीबी उन्मूलन की दिशा में आगे बढना, जिससे समाज में स्वच्छता, रचनात्मक कार्यों की क्षमता का विकास हो । स्वरोजगार की दिशा में प्रशिक्षित होकर स्वावलम्बी समाज का निर्माण करना ।

समिति के दस स्तम्भ :– 1. आर्थिक, 2. सामाजिक, 3. राजनीतिक, 4. शिक्षा, 5. संस्कृति, 6. कृषि, 7. सशक्तिकरण, 8. हमारा परिवेश, 9. हमारा सहयोग एवं मित्रता 10. उपरोक्त विचारों के क्रियान्वयन के लिये तथा समाज कल्याण के काम का विकास करने में संस्था एक मजबूत आधार स्तम्भ है।

कार्यक्षेत्र एक नजर में:–

क्रं.	जिला	ब्लॉक	गॉव
1	कटनी	बडवारा	121
2	डिण्डौरी	समनापुर	40
3	बालाघाट	बैहर	22
4	उमरिया	मानपुर	5
5	सिहोर	बुधनी	10
6	जोधपुर (राजस्थान)	जोधपुर	10
7	केरल 3 जिले	3 ब्लॉक	15
8	दमोह	तेन्दूखेडा	60
9	डिण्डौरी	5 ब्लॉक	600
10	मण्डला	6 ब्लॉक	720
11	दमोह और पन्ना (पार्टनरशिप)	शाहनगर	20
		जबेरा	20
कुल	13	23	1661

मुख्य गतिविधियां

पंचायतीराज :– भारत के संविधान के 73 वें संशोधन के अनुरूप प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायतीराज व्यवस्था को सफल बनाने, विकास योजनाओं को मूर्तरूप दिया जाकर, लोकतंत्रिक ग्रामीण स्थानीय व्यवस्था और जनभागीदारी को सुदृढ करना, आर्थिक विकास एवं सामाजिक न्याय के लिये संविधान की 11 वीं अनुसूची में वर्णित विषयों से संबंधित योजनाओं के कियान्वयन, अनुज्ञपण एवं प्रबंधन के बारे में पदाधिकारियों को समुचित मार्गदर्शन तथा प्रशिक्षण देना एवं पंचायतों को उनके अधिकार, कर्त्यव्य एवं दायित्वों को परिचित कराकर प्रदेश में ग्रामीण विकास त्वरित गति से हो ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करना।

क्रं.	गतिविधि	स्टेकहोल्डर	उपलब्धियां
1	ग्रामसभा सशक्तिकरण	महिला जनप्रतिनिधि व साझामंच समूह की महिलाओं का प्रयास	40 पंचायत की ग्रामसभा को सशक्त बनाया गया।
2	स्कूल उन्नयन	महिला जनप्रतिनिधि व स्थानीय विधायक का सहयोग	10 स्कूलों को उन्नयन मिडिल से हाई स्कूल व हायर सेकण्डरी बनवाया।
3	बच्चों व महिलाओं का नियमित टीकाकरण	महिला जनप्रतिनिधि, आंगनवाड़ी, आशा, स्वास्थ्य कार्यकर्ता	40 पंचायतों मे नियमित व्यवस्था करायी गयी।
4	भू अधिकार व पट्टा	जनप्रतिनिधि व ग्रामवासी	200 लोगों को भूअधिकार व पट्टा मिला।
5	सुरक्षित पंचायत	महिला जनप्रतिनिधि व समूह	10 पंचायत को सुरक्षित पंचायत बनाया।

भारतीय संविधान की 11 वीं अनुसूची को 73वें संविधान संशोधन अधिनियम के द्वारा 1992 मे जोड़ा गया था, इस अनुसूची मे 29 विषय शामिल है, इस अनुसूची मे पंचायत की शक्तियां, ग्रामीण विकास, गरीबी उन्मूलन, बाजार, सड़क और पानी जैसे जरूरी विषय शामिल है। इसे शक्ति से पालन कराने के लिए समिति व समिति कार्यकर्ता क्षेत्र अन्तर्गत निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधियों के साथ सुचारू रूप से संचालन कराने मे लगे हुए है। इससे गांव मे अधिकतर क्षेत्र मे देखा जाये तो जिस कार्यक्षेत्र मे संस्था कार्यकर्ता काम कर रहे है वहां की महिला सरपंच वाली पंचायतों मे जो काम हुए है वो काम पुरूष सरपंच वाली पंचायतों मे काम नही हो सके हैं। और महिला सरपंच वाली पंचायतों के अच्छा काम को देखकर जनपद व जिले स्तर पर महिला सरपंच को सम्मानित भी किया गया है। इसके साथ निर्मल पंचायत का आवार्ड भी पंचायत को प्राप्त हुए है।

मानव जीवन विकास समिति ब्लॉक बड़वारा की 40 पंचायतों के निर्वाचित 280 महिला जनप्रतिनिधियों के साथ जागृति पंचायत महिला जनप्रतिनिधि संगठन के माध्यम से काम कर रही है। निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधियों का लगातार क्षमतावृद्धि कर महिला जनप्रतिनिधियों को आगे बढ़ाने की दिशा मे प्रयासरत है। जनप्रतिनिधियों को पंचायतीराज व्यवस्था से रूबरू करते हुए पंचायत चलाने से लेकर ग्राम विकास की छोटी छोटी जानकारियों से अवगत कराया जा रहा है। ग्रामसभा सशक्तिकरण की पहल की जा रही है। स्कूल, आंगनवाड़ी, स्वास्थ्य केन्द्र, सोसाईटी तथा अन्य निर्माण कार्यो जैसी जगहों पर निगरानी करने महिला जनप्रतिनिधि जाने लगी है जिसमे पंचायत समग्र विकास की ओर अग्रसर है। सुरक्षित पंचायत एवं सुरक्षित वातावरण निर्माण की दिशा मे ग्राम पंचायत महिला जनप्रतिनिधि लगातार प्रयासरत है।

ग्रामीण पर्यटन (रूरल टूरिज्म) :–

मध्यप्रदेश में टूरिज्म को बढावा देने के लिये कई प्रकार के टूरिज्म चलाये जा रहे हैं, परन्तु मानव जीवन विकास समिति ने फ्रान्स की संस्था तमादी के साथ मिलकर रूरल टूरिज्म की अवधारणा के अनुसार सांस्कृतिक अदान–प्रदान की गतिविधियों का संचालन कर रही है। जिससे बाहर से आने वाले महिला पुरूष बच्चे गॉव में रूकना गॉव में खाना खाना और वही 4–5 दिन रूकना गॉव की संस्कृति से परिचित होना। गॉव में चल रही आर्थिक गतिविधियों को देखना समझना, खेती जैसे कार्यक्रमों में बढ चढकर हिस्सा लेना आदि गतिविधियॉ शामिल रहती है भारत में हमने तीन तरह के सर्किट बनाकर रखे हैं और तमादी के साथ मिलकर आगे बढाते हैं जिसमें 15 दिन, 15 दिन 25 दिन एवं 17 दिन सामिल है। 15 दिन में दिल्ली से जयपुर , अलवर, उदयपुर ,आगरा, से दिल्ली वापस तथा 15 दिन में दिल्ली से कटनी या भोपाल, उमरिया, सिहोर, बोरी, सॉची, आगरा से दिल्ली वापसी। 25 दिन वाले में कटनी, उमरिया, भोपाल, सिहोर जयपुर, उदयपुर, जोधपुर ओर्छा खजुराहो से वापसी दिल्ली । 17 दिन के लिये उत्तराखण्ड व केरला के सर्किट भी बनाये गये हैं।

आजीविका कार्यक्रम (भारत रूरल लाईवलीहुड फाउण्डेशन) :–

भारत ग्रामीण आजीविका फाउण्डेशन की स्थापना भारत सरकार ने ग्रामीण विकास मंत्रालय के तहत एक स्वतंत्र समाज के रूप मे की थी, ताकि केन्द्र और राज्य सरकारों के साथ साझेदारी मे नागरिक समाज के रूप मे कार्रवाई की जा सके। केन्द्रीय मंत्रीमण्डल ने 3 सितम्बर 2013 को ऐ कैबिनेट निर्णय के माध्यम से भारत ग्रामीण आजीविका फाउण्डेशन (बीआरएलएफ) का गठन करने का निर्णय लिया ताकि नागरिक समाज संगठन के साथ साझेदारी मे सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों का बेहतर क्रियान्वयन हो सके। यह 10 दिसम्बर 2013 को एक स्वतंत्र समाज के रूप मे अस्तित्व मे आया। इन्ही उद्धेश्यों के तहत काल फार प्रपोजल मे लोक विज्ञान संस्थान देहरादून के द्वारा कन्सोडियम के तहत तीन संस्थाओं के साथ मिलकर प्रपोजल सम्मीट कया गया था, प्रपोजल का कान्सेप्ट नोट पास होन के बाद बीआरएलएफ द्वारा गठित टीम

के द्वारा फील्ड भ्रमण की तारीख तय की गई थी जिसमे लोक विज्ञान संस्थान का फील्ड शाहनगर तथा मानव जीवन विकास समिति का फील्ड तेन्दुखेड़ा को तय किया गया था।

फील्ड भ्रमण के गांवों मे बैठको मे चर्चा की गई और परियोजना प्रस्ताव मे वन अधिकार अधिनियम से प्राप्त खेती की जमीनों को विकसित करना और बाकी लोगों को वन अधिकार अधिनियम के तहत दावा लगवाकर पट्टा दिलाना और उस जमीन को खेती योग्य शासकीय योजनाओं की मदद से तैयार करना। इन उद्धेश्यों के तहत तब तेन्दुखेड़ा ब्लॉक मे काम ज्यादा दिखाई दिया तो भ्रमण के आखिरी दिन मे मीटिंग के दौरानटीम द्वारा यह निर्णय लिया गया कि इस प्रोग्राम को मानव जीवन विकास समिति लीड संस्था के रूप मे काम करेगी और लोक विज्ञान संस्थान देहरादून पन्ना जिले के शाहनगर ब्लॉक के 20 गांवों मे तथा बुंदेलखण्ड सेवा संस्थान ललितपुर दमोह जिले के जबेरा ब्लॉक के 20 गांवों मे तथा मानव जीवन विकास समिति लीड भूमिका के साथ साथ दमोह जिले के तेन्दुखेड़ा ब्लॉक के 60 गांवों मे काम करेगी। तथा लोक विज्ञान संस्थान इस परियोजना मे वाटरशेड से सम्बंधित जतनीकी जानकारी का सपोर्ट करेगी।

Activity	**Household**	**Leverage (Rs)**
FRA Application submitted	**1887**	
FRA Land titles received	**49**	
SCI	**730**	
NPM	**546**	
SHG	**332 (17 groups)**	
Soil Health Card	**32**	
Plantation	144	699970
Land Leveling	2	127000
Well	5	527000
Bori Bund	69	92096
Stop Dam	29	1035052
Gabion and Check Dam	21	106000
Farm Pond	28	4393506
Community Pond	104	4596156
Electrical Transformer	8	200000
Total		**11776780**

परियोजना मे मुख्य रूप से खेती को बढ़ावा देना, पोनी संरक्षण के काम, शासकीय योजनाओं तक लोगों की 100 प्रतिशत पहुंच बन सके इस तरह बीआरएलएफ फण्ड का सहयोग कार्यकर्ताओं की सहयोग राशि, क्षमतावर्धन के कार्य तथा आफिस मैनेजमेन्ट के लिए सहयोग बाकी समाज की भागीदारी, शासकीय योजनाओं की पहुंच से फण्ड का संकलन तथा दूसरे अन्य संस्थाओं के सहयोग से मदद लेकर नमूने खड़े करने का प्रस्ताव पास किया गया। पूरे परियोजना प्रस्ताव मे 100 गांव के 10 हार परिवारों के साथ अगले तीन वर्ष मे 15000 रूपये आमदनी को बढ़ाना प्रमुख लक्ष्य रखा गया जो इस वर्ष मे 1400 परिवारों तक पहुंच बन पाई है। इस पूरे परियोजना मे कम से कम 60 प्रतिशत आदिवासी परिवारो के साथ काम करना है।

डिजिटल साक्षरता (फिया फाउण्डेशन) :– संस्था मानव जीवन विकास समिति कटनी द्वारा फिया फाउण्डेशन व फ्रेन्ड्स संस्था भोपाल के सहयोग से समिति मण्डला व डिण्डौरी जिले के 11 ब्लॉको के 1320 गांवों मे ग्रामीण महिलाओं को डिजिटल साक्षरता की ओर बढ़ावा दे रहे है। इन्टरनेट साथी कार्यक्रम के प्रोग्राम मेनेजर रामकिशोर चौधरी ने बताया की यह कार्यक्रम मण्डला जिले के 6 ब्लॉकों मण्डला, नारायणगंज, मोहगांव, घुघरी, नैनपुर व बिछिया ब्लॉक मे व डिण्डौरी जिले के 5 ब्लॉक डिण्डौरी, समनापुर, बजाग, करंजिया, शहपुरा ब्लॉक मे आयोजित किया जा रहा है। 11 ब्लॉक की 2 लाख इकतीस हजार (231000) ग्रामीण महिलाओं को 330 स्थानीय इंटरनेट साथियों की मदद् से 6 महीने मे डिजिटल साक्षर करने लक्ष्य प्राप्ति की ओर बढ़ रहे है। अभी तक मे देखा जाये तो साथियो की मदद से 1060 गांव मे 60 प्रतिशत से ज्यादा टारगेट का हासिल किया है जिसमे 114300 (एक लाख चौदह हजार तीन सौ किशोरी व महिलाओं को स्मार्ट फोन व इन्टरनेट एक्सेस करना सिखााया है। यही बस नही स्मार्ट फोन सीख कर गांव की महिलाऐं अपने व्यवसाय मे वृद्धि कर रही है, इससे लोगों की आमदनी मे भी इजाफा हुआ है। शिक्षा के क्षेत्र मे भी बच्चों को स्मार्ट फोन शिक्षक की तरह मददगार सावित हो रहा है। वही पर सिलाई के नये डिजाईन व मेंहदी के नये डिजाईन सीखकर अपनी आजीविका खड़ी कर रही है।

प्रत्येक ब्लॉक मे 1–1 ब्लॉक समन्वयक और 330 इंटरनेट साथियों को रखा गया है, साथियों को दो दिवसीय प्रशिक्षण ब्लॉक स्तर पर आयोजित कर प्रशिक्षित किया गया है प्रत्येक साथी को 2 स्मार्ट फोन दिये गये है जिसका उपयोग महिलाओं को सिखाने के लिए किया जा रहा है। अब वो साथी गांव की ग्रामीण महिलाओं को स्मार्ट फोन चालू बंद करने से लेकर मेन मिनु, मुख्य मिनु आदि को सांकेतिक चिन्हों की मदद् से पहचान कराकर उन्हे इंटरनेट चालू बंद करना, कैमरे से फोटो खींचना व वीडियो बनाना एवं गैलरी से फोटो और वीडियो की पहचान करना भी बताया जा रहा है। साथ ही यूट्यूब से स्वयं की आजीविका सुनिश्चित करेंगी, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि मे भी सुधार होगा। सेहत के लिए यूट्यूब के जरिये ये महिलाऐ अपने स्वास्थ्य की सुविधायें ले पायेंगी। यह भी बताया गया कि बच्चों की शिक्षा मे सुधार होगा। साथ ही व्यवसाय व नौकरी के अवसर भी बढ़ेंगे। यह जागरूकता महिलाओं व परिवार मे बदलाव अवश्य लायेगा।

Sr. No	States	Districts	Blocks	Partners	Total Saathis	Villages	Village Covered	Responses Expected	Responses Received
1	MP	Mandla	Mandla	PHIA MP	35	140	120	24500	17608
2	MP	Dindori	Bajang	PHIA MP	23	92	85	16100	11724
3	MP	Mandla	Ghughari	PHIA MP	24	96	85	16800	10253
4	MP	Dindori	Karanjiya	PHIA MP	26	104	104	18200	14645
5	MP	Dindori	Shahpura	PHIA MP	37	148	146	25900	20226
6	MP	Dindori	Samnapur	PHIA MP	29	116	114	20300	15882
7	MP	Mandla	Bichhiya	PHIA MP	34	136	136	23800	17955
8	MP	Mandla	Mohgaon	PHIA MP	21	84	75	14700	8739
9	MP	Dindori	Dindori	PHIA MP	35	140	138	24500	19882
10	MP	Mandla	Narayanganj	PHIA MP	32	128	128	22400	15767
11	MP	Mandla	Nainpur	PHIA MP	34	136	130	23800	14446
				Total	330	1320	1261	231000	167127

एडवोकेसी :– **(वन अधिकार अधिनियम)** शासन की जनकल्याणकारी योजनाएँ गॉवों तक सुचारू रूप से पहुँचे और पात्र हितग्राहियों को उनका उचित लाभ मिले इस दिशा में मानव जीवन विकास समिति अपने सिमित कार्यकर्ताओं के साथ फिल्ड में लगातार काम कर रही है, जिसमें गॉवों में समूह तैयार करना उनको शासन की योजनाओं की जानकारी देना और उचित सलाह देते हुए उस संबंधित विभाग तक पहुँचाना व रास्ता बताना शामिल है इसी उद्धेश्य की प्राप्ति के लिये FRA से प्राप्त जमीन पर खेती संबंधी जानकारी देकर उनको वंचित समुदाय को रास्ता बताने का काम किया जा रहा है।

वन अधिकार कानून के नाम से प्रचलित अनुसूचित जनजाति और अन्य परम्परागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) कानून 2006 की आज ग्यारहवीं वर्षगांठ है 15 दिसम्बर, 2006 को यह कानून अपने मौजूदा स्वरूप मे लोकसभा मे पारित हुआ था, देश के आदिवासी व जंगल बहुल्य क्षेत्रों मे इस दिन को बीते दस सालों से लोग एक उत्सव के रूप मे मनाते आ रहे है। यह कानून भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता और संवेदनशीलीलता की एक नायाब मिसाल के तौर पर प्रत्यक्ष रूप से देश की जनसंख्या की 20 प्रतिशत आदिवासी आबादी और जंगलों पर आश्रित समुदायों के इज्जत से जीने के अधिकार की रक्षा के लिए संसद ने पारित किया। यह कानून न केवल वन मे निवास करने वाली अनुसूचित जनजातियों और अन्य परम्परागत वन निवासियों के वन संसाधनों पर उनके मौलिक अधिकारों की पुष्टि करता है बल्कि वन, वन्य जीव, जैव विविधता संरक्षण के प्रति समुदायों के दायित्वों को भी सुनिश्चित करता है। आपको मालूम होगा की एकता परिषद के नेटवर्क मे मानव जीवन विकास समिति गांव गांव मे आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र मे लोगों उनके अधिकार दिलाने काम कर रहे है। गांव गांव मे बैठक, पदयात्रा कर लोगों को उनके अधिकारों के बारे जागरूक कर उनके अधिकार दिलाने मे लगातर प्रयासरत है।

जागरूकता कार्यक्रम :– **(पोषण सुरक्षा कार्यक्रम)** पंचायत महिला जनप्रतिनिधियों

द्वारा कुपोषण दूर करने व पोषण सुरक्षा के महत्व से गांव के लोगों को रूबरू कराने जनप्रतिनिधियों को कार्यशाला के माध्यम से जानकारी देकर प्रशिक्षित किया गया बताया गया की पंचायतों मे कुपोषण दूर करने मे पंचातय महिला जनप्रतिनिधियों की अहम भूमिका सिद्ध हो रही है। ऐसा ही नही बल्कि पंचायत को कुपोषण मुक्त बनाने का भी प्रयास जनप्रतिनिधि कर रही है। यह भी है की 2 अक्टूबर की ग्रामसभा मे पोषण सुरक्षा व अन्य प्रस्ताव भी रखे होंगे यह जनप्रतिनिधि का प्रयास सफल होगा। पोषणबाड़ी लगाने गांव के आवश्यकता वाले परिवार का चिन्हित किया गया इसमे वे परिवार शामिल है जैसे कुपोषित बच्चे का परिवार,

गर्भवती व धात्री माता का परिवार, किशोरी बालिका का परिवार जो अधिक मूल्य पर पोषण आहार बाजार से नही खरीद पाता है उस परिवार मे पोषण बाड़ी लगाये जाने चिन्हित किया गया।

पोषण थाली प्रदर्शनी लगाकर उसका महत्व भी जनप्रतिनिधियों को बताया गया। किशोरी बालिकाओं को भी ध्यान देने की जरूरत है अपने साथ होने वाले अनियमितता को ध्यान रखे। बच्चों मे कुपोषण न हो इसका विशेष ध्यान रखे। घरेलु व पारम्परिक भोजन के उपयोग विधि पर भी नजर डाला है बताया गया की आपको अपने घर पर ही उपलब्ध वस्तुओं से ही भरपूर पोषण मिल सकता है आपको कहीं और जाने की आवश्यकता नही है। कुपोषित बच्चों को पोषण पुनर्वास केन्द्र मे भर्ती कराने चिन्हित कराया गया। महिला जनप्रतिनिधियों के माध्यम से कुपोषित बच्चों को चिन्हित कर पोषण आहार खिलाने माता पिता को प्रेरित किया गया है तथा उनके घर पर पोषणबाड़ी लगाने को तय किया गया है। किशोरी बालिका दिवस मनाया जाना व मंगल दिवस मनाया जाना इस कार्यक्रम मे महिला जनप्रतिनिधि व गांव की जागरूक महिलाओं को भी शामिल किया जाना है जिससे लोगों मे जागरूकता फैले। यह की आने वाले समय मे कुपोषण मुक्त पंचायत की कल्पना भी जा सकती है ऐसा महिला जनप्रतिनिधियों ने कहा है।

सुरक्षित पंचायत जन जागरूकता अभियान – प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी यह अभियान 25 नवम्बर से 10 दिसम्बर तक चलाया जाकर 10 दिसम्बर को मानव अधिकार दिवस के रूप मे अभियान का समापन किया गया। यह ही नही इस दिन महिलाऐं भी 10 दिसम्बर को बड़े ही हर्ष उल्लास के साथ कार्यक्रम को मनाती है और सभी को जागरूक होने का परिचय देती है। अभियान का मूल संदेश पंचायत मे डर व भय मुक्त वातावरण बनाने की पहल। गांवों, चौराहों, तालाबों, बगीचों एवं अन्य स्थानों पर जुआरियो व शराबियों का जमावड़ा न हो। सुनसान व अंधेरे रास्तों मे स्ट्रीट लाईट की व्यवस्था करें। छेड़छाड़ व अन्य किसी भी प्रकार की हिंसा हो विरोध करें व पुलिस को शिकायत करें। ग्राम पंचायत द्वारा सूनसान जगहों पर निगरानी रही जाये। सुरक्षित पंचायत का मुद्दा ग्रामसभा एजेण्डा मे प्राथमिकता से जोड़ा जाये। ग्राम सुरक्षा समिति को सक्रिय किया जाये। अपने पंचायत को नशा मुक्त बनाये। महिलाओं एवं किशोरी बालिकाओं का सम्मान किया जाये और उन्हे उनके विकास का पूरा अवसर दिया जाए।

महिलाओं को पैत्रिक सम्पत्ति मे अधिकार मिलना चाहिए। महिलाओं को किसानों का दर्जा मिला जाये। महिलाओं पे हिंसा खत्म करने के लिए सामाजिक प्रयासों की भी आवश्यकता है आदि प्रयास रहे है। कार्यक्रम समन्वयक रामकिशोर ने बताया कि सुरक्षित पंचायत अभियान के माध्यम से चौपाल व बैठक लगाकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। अभी भी आधे से अधिक लोग नही कर रहे शौचालय का उपयोग, स्कूल, आंगनवाड़ी, स्वास्थ्य केन्द्रों मे नही मिल रहे साफ सुथरे शौचालय व शौचालय मे पानी की व्यवस्था नही होने से कई स्कूल के शौचालय बंद पड़े है। स्कूल मे शुद्ध पेयजल, शौंचालय हो स्वच्छता हो।

ग्रामसभा मोबलाईजेशन :— आप सभी को ज्ञात है कि प्रत्येक गांव मे वर्ष भर मे 4 ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाता है और आपको यह भी मालूम हो की वर्ष की पहली ग्राम सभा मे वार्षिक कार्ययोजना गांव के लोगों के द्वारा बनाकर तैयार होती है जो वर्ष भर के काम को अंजाम देती है और इसी योजना के हिसाब से ग्राम पंचायत एजेंसी काम भी कराती है। इसके लिए संस्थागत काम मे लगे कार्यकर्ताओ की मदद से कार्यक्षेत्र की पंचायत व गांवों मे ग्रामसभा मोबलाईजेशन का आयोजन किया जाता है जिससे ग्रामसभा मे गांव की जनसंख्या का अधिकांश हिस्सा भाग ले सके। मुख्य रूप से देखा जाये तो इसके उद्धेश्य इस प्रकार है ग्रामसभा मोबलाईजेशन, ग्रामसभा सशक्तिकरण, ग्रामसभा मे महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना, सुरक्षित पंचायत के मुद्दे ग्रामसभा मे जुड़वाना और पंचायत मीटिंग एजेण्डा पर बातचीत करना। ग्रामसभा मोबलाईजेशन के माध्यम से ग्रामसभा के अधिकार व शक्ति पर बातचीत करना। ग्रामसभा प्रस्ताव का महत्व बताना। विभिन्न समस्याओं के मुद्दे का प्रस्ताव ग्रामसभा मे डलवाना ताकि सरलता से समस्या का हल किया जा सके।

मोबलाईजेशन के दौरान लोगों को ग्रामसभा के महत्व से अवगत कराया गया। ग्रामसभा को सशक्त करने को भी कहा गया। बताया गया कि ग्रामसभा का निर्णय सर्वमान्य है इसलिए आप सभी ग्रामसभा मे पहुचकर अपनी अपनी समस्या का प्रस्ताव रखे जिससे समस्या का समाधान हो सके। 26 जनवरी की ग्रामसभा मे वार्षिक कार्ययोजना भी बनायी गई है। जिसके अनुसार 1 वर्ष तक पूरे काम कार्ययोजना के अनुसार कराये जाते है लेकिन ग्रामसभा मे अध्यक्ष एवं सदस्यों की सहमती से पंचायत की समस्याओं को जोड़ा जाता है। इसीलिए आप सभी अपने वार्ड, गांव, पंचायत मे कराये जाने वाले काम को चिन्हित कर वार्षिक कार्ययोजना मे जुड़वाये। संगठन सदस्यों ने रूचिपूर्ण ग्रामसभा को सशक्त करने प्रयासरत है।

संवाद बैठक (ब्लॉक स्तरीय अधिकारियो के साथ) — यह की मानव जीवन विकास समिति जिस प्रकार से जमीनी स्तर व धरातल पर पिछड़े लोग व गरीबों के साथ काम कर रही है स्वाभविक रूप से देखा जाये तो समस्याऐ तो बहुत है लेकिन उनमे से से कुछ ऐसी समस्या है जिसे हद तक अपने ब्लॉक व जिले स्तर पर समाधान किया जा सकता है। इसी उद्धेश्य से संस्था द्वारा अपने कार्यक्षेत्र की पंचायत महिला जनप्रतिनिधियों का बड़वारा ब्लॉक मे विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। बताया गया कि पंचायत मे महिला जनप्रतिनिधि सक्रियता से काम कर रही

है लेकिन फिर भी कहीं न कही अड़चनो, दिक्कतो का सामना करना पड़ रहा है जिसकी वजह से जनप्रतिनिधि अपने काम को सही तरीके से नही कर पा रही है इस तमाम दिक्कतो को दूर करने संवाद कार्यक्रम ब्लॉक स्तरीय आयोजित किया गया। कार्यक्रम मे खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनिल झामनानी, एकीकृत महिला एवं बाल विकास अधिकारी नेहा जैन, व हाई स्कूल प्राचार्य कल्पना खरे सहित पंचायत की 30 सक्रिय महिला जनप्रतिनिधि व संस्था कार्यकर्ता की उपस्थिति मे बैठक सम्पन्न करायी गई।

जनप्रतिनिधियो ने बताया कि बड़वारा ब्लॉक मे जागृति पंचायत महिला जनप्रतिनिधि संगठन 40 पंचायत की 280 महिला जनप्रतिनिधियों का बना है हम मिलकर संगठन को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे है लेकिन काम करने मे समस्या आती है। विभाग से निवेदन है कि समस्या का समाधान जरूर कराये। हम सभी का प्रयास है कि सरकार की योजना का लाभ पात्र हितग्राही को मिले। स्वास्थ्य विभाग से स्वास्थ्य अधिकारी ने बताये कि स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ गांव के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचे हमारा प्रयास रहता है। छोटी बीमारियों की रोकथाम के लिए प्रत्येक गांव मे ग्राम अरोग्य केन्द्र है जहां पर आशा कार्यकर्ता कार्य कर रही है उसका लाभ लें। गंभीर बीमारी टी.बी. एड्स जैसी बीमारियों की रोकथाम के लिए भी सरकार योजनाओं के तहत सुविधाये दे रही है। गांव मे अभी पुरानी परम्परा अनुसार घर पर ही प्रसव करा लेते है जिसमे बच्चे व माता दोनों को खतरा रहता है इसके बचाव के लिए संस्थागत प्रसव कराने जोर दिया जाये। जननी एक्सप्रेस 108 डायल की भी जानकारी बताई गई। कुपोषित बच्चों को एनआरसी केन्द्र बड़वारा मे भर्ती कराये। शिक्षा विभाग से खरे मेडम ने बताया कि सभी स्कूलों मे पालकों की व शाला प्रबंधन समिति की मासिक बैठक की जाती है उसमे पालकों का सहयोग नही मिलता है हम चाहते है कि पालक अपने बच्चों की पढ़ाई के प्रति रूची रखे स्कूल आते जाते रहे बच्चों की पढ़ाई ध्यान रखा जाये। शाला बच्चों को स्कूल से जोड़ा जाये। बच्चों को मिलने वाली छात्रवृत्ति का आनलाईन पंजीयन समय से करा लेना चाहिए। गणवेश वितरण, साईकल वितरण, शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2010 की जानकारी भी दी गई है।

मीडिया वर्कशॉप – यह की मानव जीवन विकास समिति अपने तय कामों मे से लोगों की समस्याओं मे मदद करना, हर सम्भव उनके साथ खड़े रहने का भी प्रयास संस्था का रहता है। वर्तमान मे देखा जाये तो किसी काम या उपलब्धियों को उजागर करने मे प्रिन्ट मीडिया व इलेक्ट्रानिक मीडिया हमेशा से आगे आता है यह सभी की दोस्त की भांति सबकी मदद् करता है। समिति चाहती है की जिस प्रकार से विभिन्न विभागों मे अपनी पहचान बनाये रखता है उनका सहयोग हमेशा प्राप्त होता है उसी प्रकार से मीडिया के साथ अपनी पहचाह को बनाये रखता है ताकि अपने कार्यक्षेत्र की समस्याओं व उपलब्धियों को प्रिन्ट मीडिया व इलेक्ट्रानिक मीडिया की मदद से अखबारो और चैनलो के माध्यम से प्रकाशित व प्रसारित करवाता रहे जिसकी सहायता से गांव स्तर के उभर कर आये विभिन्न मुद्दो को एक साथ प्रसारित करने मे मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

संस्था प्रमुख निर्भय सिंह ने बताये कि महिला जनप्रतिनिधियों को पंचायत मे काम करने मे आ रही समस्याओं से कैसे निपटा जाये व मीडिया की क्या भूमिका होगी। पंचायतों को सुरक्षित पंचायत व सुरक्षित वातावरण बनाने के उद्धेश्य को लेकर जागृति संगठन के साथ लगातार उनके ट्रेनिंग प्रशिक्षण के माध्यम से क्षमतावृद्धि कर रहे है ताकि महिला जनप्रतिनिधि निडरता से अपने पंचायत को स्वयं चला सके। इसमे मीडिया की भूमिका होनी चाहिऐ ताकि महिला जनप्रतिनिधि के किये गये काम को उजागर किया जा सके। मीडया साथी जन जन जागरण के चीफ ब्यूरो कटनी, इन्होने बताया की सरकार की रणनीति पर पंचायत को काम करना बड़ा ही कठिन है इसमे महिलाओं की भूमिका अति आवश्यक है यह की सरकार पंचायत को उलझाकर रखती है जिससे किसी प्रकार से काम न कर सके कड़ी योजना का रोना तो कहीं मजदूरों के पैसे का रोना या फिर पंचायत को पूरी प्राथमिकता से काम नही करने देना। मीडिया आपके साथ लगातार है जहां कही भी मीडिया की जरूरत पड़े आप हमे जानकारी दीजिए हम आपकी समस्या व खबर को न्यूज चैनल के माध्यम से प्रकाशित कर सरकार व जनता तक पहुंचाने का काम करेंगे। मीडिया साथी पत्रिका चीफ ब्यूरो ने बताया की आपके काम को पत्रिका अखबार मे हम लगातार ही प्रकाशित कर रहे है फिर भी आप जब चाहे तो हमे अपने कामों को यथा संभव प्रकाशित करने के लिए बताईये कामों को हाई लाईट कर सरकार तक आपकी बात को पहुंचाने मे मदद करेंगे।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस (महिला संरक्षण व अधिकार की जानकारी) :— जागृति पंचायत महिला जनप्रतिनिधि संगठन ब्लॉक बड़वारा के तत्वाधान मे मानव जीवन विकास समिति द्वारा ब्लॉक स्तर पर अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मे स्थानीय अधिकारी कर्मचारी व अन्य महिला पुरूषों को भी कार्यक्रम मे शामिल किया गया।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस मे महिलाओं की बुलंद आवाज,
महिला आगे आयेगी तभी तो समाज मे बदलाव लायेगी।

कार्यक्रम मे जागृति पंचायत महिला जनप्रतिनिधि संगठन की सदस्य व अन्य महिला, स्वसहायता समूह की महिला और अन्य पुरूष व सरकारी कर्मचारी भी शामिल हुए। महिला दिवस के इस मुख्य कार्यक्रम मे उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं का संस्था की ओर से शील्ड, सॉल व श्रीफल देकर सम्मान भी किया गया है जिससे इनकी प्रेरणा से अन्य महिलाऐं भी आगे आये। उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं मे महिला सरपंच, पंच, उपसरपंच, स्व–सहायता समूह, स्वच्छता प्रेरक महिला, महिला तहसीलदार, महिला अधीक्षिका, महिला पुलिस आरक्षक, किसान दीदी, पंचायत महिला सचिव व रोजगार सहायक, अच्छी शिक्षिका आदि ने अपने सौपे गये कार्य मे उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है उन्होने अपनी सफलता के राह को भी बताया तथा अपनी बातें रखी है इससे यह प्रेरणा मिलती है की महिला को अब किसी भी मार्ग मे आगे बढ़ने से उसे कोई रोक नही लगा सकता है। महिला आगे आकर समाज मे बदलाव ला रही है। महिलाओं के संरक्षण के लिए अधिनियम पारित किये गये जिससे महिलाओं को सुरक्षा मिल सके जैसा आप जानते है कि बाल विवाह प्रतिशेध अधिनियम 2006, दहेज प्रतिशेध अधिनियम 1961, लिंग चयन प्रतिशेध अधिनियम 1994, घरेलु हिंसा संरक्षण अधिनियम 2005, कार्य स्थल पर महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न संरक्षण अधिनियम 2013 आदि की भी जानकारी दी गई।

स्कालरशिपः– (एजुकेशन सपोर्ट) काफी लम्बे समय से सामाजिक क्षेत्र में उन तमाम सामाजिक कार्यकर्ताओं को उनके बच्चों की पढाई हेतु उनके सुचारू रूप से आवेदन देने पर समिति निर्णय लेती है। मानव जीवन विकास समिति द्वारा दो सदस्यी कमेटी का गठन किया गया है, जिनके पास आवेदन विचार हेतु भेजा जाता है और यह कमेटी निर्णय लेती है । यह पहले से तय है कि यह सपोर्ट उन साथियों को दिया जायेगा जो लम्बे समय से सामाजिक क्षेत्र के काम में लगे हैं और अपने बच्चों की पढाई व स्वास्थ्य खराब होने दवाई भी नहीं करवा पा रहे हैं, ऐसे साथियों का आवेदन आने पर कमेटी द्वारा विचार किया जाता है । उच्च शिक्षा की पढ़ाई करने के लिए संस्था ने तय किया की ऐसे छात्र जिनकी आर्थिक स्थिति कमजोर है उसे शिक्षा प्राप्त करने हेतु आर्थिक मदद व सपोर्ट किया जाये जिससे अच्छी शिक्षा प्राप्त कर सके।

(रिस्क / स्वास्थ्य सपोर्ट) सामाजिक क्षेत्र मे कार्य कर रहे सामाजिक कार्यकर्ताओं के बच्चों को आर्थिक सपोर्ट करना समिति का निर्णय है जिससे स्वास्थ्य सुविधा मिल सके। यह की समिति से जुड़े कार्यकर्ता व उनके परिवार के अन्य सदस्य जब कभी लम्बी व गंभीर बीमारी से जूझ रहा होता है तो समिति के पास जब ऐसी कोई भी खबर आती है या आवेदन आते है तो समिति अपने कमेटी से विचार विमर्श कर सपोर्ट करने का निर्णय लेती है।

धन्यवाद्!

आवश्यकता आधारित कार्यशाला में महिला जनप्रतिनिधियों ने जानी पोषण सुरक्षा की बारीकियां

गांवों में लगेगी पोषण बाड़ी, दूर होगा कुपोषण

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

कटनी ◆ मानव जीवन विकास समिति व द हंगर प्रोजेक्ट भोपाल के सहयोग से जागृति पंचायत महिला जनप्रतिनिधि संगठन ब्लॉक बड़वारा की 37 सदस्यों ने दो दिवसीय आवश्यकता आधारित कार्यशाला के माध्यम से पोषण सुरक्षा के संबंध में जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम समन्वयक रामकिशोर ने बताया कि कुपोषण दूर करने व पोषण सुरक्षा के महत्व से रूबरू कराने जनप्रतिनिधियों की भूमिका आवश्यक है। पंचायत को कुपोषण मुक्त बनाने का भी प्रयास जनप्रतिनिधि कर रही हैं। 2 अक्टूबर की ग्रामसभा में पोषण सुरक्षा व अन्य प्रस्ताव भी रखे जाने पर सहमति बनी। पोषणबाड़ी लगाने गांव के आवश्यकता वाले परिवार का चिन्हित किया गया। इसमें वे परिवार शामिल हैं जैसे कुपोषित बच्चे का परिवार, गर्भवती व धात्री माता का परिवार, किशोरी बालिका का परिवार जो अधिक मूल्य पर पोषण आहार बाजार से नही खरीद पाता है। उस परिवार में पोषण बाड़ी लगाये जाने चिन्हित किया गया।

कार्यशाला में तरुनेश, गोनेंद्र और सुशील ने पोषण सुरक्षा पर अपनी बात रखी। बताया कि जिसमें बच्चे, महिला व किशोरी में वर्तमान स्थिति का विश्लेषण कर कुपोषण की पहचान की जाए और रोकथाम करने जनप्रतिनिधियों के माध्यम से प्रेरित किया जाये। घरेलु व पारम्परिक भोजन के उपयोग विधि पर भी फोकस किया। नजर डाला है बताया गया कि अपने घर पर ही उपलब्ध वस्तुओं से ही भरपूर पोषण मिल सकता है। महिला बाल विकास विभाग, परियोजना विभाग से पर्यवेक्षक केशव मिश्रा, अनुपमा आटे, रितु पटेल आईसीडीएस कोआर्डिनेटर ने भी इस कार्यक्रम में भागीदारी रही। बताया कि गर्भवती व धात्री महिलाओं को पोषण आहार खाना बहुत ही आवश्यक है। साथ ही पूरे टीके भी लगवाना है। जिससे बच्चा स्वस्थ व मजबूत होगा।

इस दौरान बताया गया कि किशोरी बालिकाओं को भी ध्यान देने की जरूरत है। अपने साथ होने वाले अनियमितता को ध्यान रखे। बच्चों मे कुपोषण न हो इसका विशेष ध्यान रखें। पोषण थाली प्रदर्शनी लगाकर उसका महत्व भी जनप्रतिनिधियों को बताया गया। सरपंच मगनी बाई, सुमन बाई, मुन्नी बाई, माधुरी सिंह, धनिया बाई, लछिया बाई सहित संगठन की 37 महिला जनप्रतिनिधियों ने पोषण सुरक्षा पर अपनी समझ बनाई। तय किया गया कि कुपोषण संबंधी जो भी मिथक है उसे दूर करने लगातार प्रयास करेंगे।

पत्रिका Thu, 27 September 2018
epaper.patrika.com/c/32585315

पंचायत के कामकाज में सशक्त हुई महिला प्रतिनिधि

स्टार समाचार | कटनी

मानव जीवन विकास समिति बिजौरी व द हंगर प्रोजेक्ट, भोपाल के सहयोग से बड़वारा ब्लॉक मे जागृति पंचायत महिला जनप्रतिनिधि संगठन सदस्यों की ब्लॉक स्तरीय फेडरेशन बैठक आयोजित हुई। समन्वयक रामकिशोर ने बताया कि बैठक मे 25 पंचायत से 41 संगठन सदस्यों की भागीदारी रही। संस्था व समिति जनप्रतिनिधियों को काम के लिए प्रेरणा और सदस्यों में क्षमतावर्धन व सशक्तिकरण के लिए प्रयासरत है। महिला जनप्रतिनिधि ने पंचायत स्तर पर उभरे मुद्दो को ब्लॉक स्तर पर साझा किया, पंचायतों मे काम करने मे आ रही समस्याओं पर अपने विचार रखे और समाधान की रणनीति भी बनायी गई।

संगठन ने तय किया की पंचायत बैठक, ग्रामसभा मे समस्याओं का समाधान नही होने पर संगठन के माध्यम से ऊपर बैठे अधिकारी कर्मचारी को आवेदन व ज्ञापन प्रेषित कर समस्या हल कराने प्रयास किया जायेगा। शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, आजीविका, पोषण सुरक्षा, पोषणवाड़ी को बढ़ावा देना, सुरक्षित पंचायत एवं सुरक्षित वातावरण का निर्माण कराने तत्पर है एवं लगातार प्रयास कर रही संगठन सदस्यों ने बताया कि हम कत्र्तव्यनिष्ठा व ईमानदारी से हर सम्भव प्रयास करेंगे। यह भी बताया है कि ग्राम सभा मे महिला जनप्रतिनिधियों ने सुरक्षित पंचायत के मुद्दे जैसे तिराहे चैराहे पर स्ट्रीट लाईट लगाये जाने, नशा मुक्त, कुपोषण मुक्त पंचायत बनाये जाने, खुले मे शौचमुक्त पंचायत बनाये जाने, गांव मे अवैध शराब की दुकानों को बंद कराने आदि विषय पर सामूहिक चर्चा कर विभिन्न परिणाम निकाले गये।

द हंगर प्रोजेक्ट भोपाल से उज्जवल सिंह ने बताया कि संगठन को और मजबूती से काम करने की जरूरत है। मौके पर अन्जू सेन, संतरा, राधा, कला बाई, चंदा, सुहद्री, बुंदिया, जानकी, कुसमी, लछिया, कौशिल्या, शांति, धनिया, राम बाई, मगनी, मंगी, सुमन, फूल बाई, घिन्नी, गिरजा, बिमला, कांशी, शकुन्तला, सिया बाई, सावित्री, मीना, माया बाई, रैनका, रामकली, ललती, शीला, ममता देवी, चंदा, सतली, सुकरनिया, चम्पा बाई, सहित 41 महिला जनप्रतिनिधियों की भागीदारी रही है।

स्टार समाचार Sun, 16 September 2018
epaper.starsamachar.com/c/32233037

डिजिटल साक्षरता की ओर बढ़ रहीं ग्रामीण महिलाएं

कटनी। मानव जीवन विकास समिति द्वारा फिया फाउण्डेशन व फ्रेण्ड्स संस्था भोपाल के सहयोग से समिति मण्डला व डिण्डौरी जिले के 11 ब्लॉकों के 1320 गांवों मे ग्रामीण महिलाओं को डिजिटल साक्षरता की ओर बढ़ावा दे रहे है। इन्टरनेट साथी कार्यक्रम के प्रोग्राम मेनेजर रामकिशोर चैधरी ने बताया की यह कार्यक्रम मण्डला जिले के 6 ब्लॉकों मण्डलाए नारायणगंजए मोहगांवए घुघरीए नैनपुर व बिछिया ब्लॉक मे व डिण्डौरी जिले के 5 ब्लॉक डिण्डौरी, समनापुर, बजाग, करंजिया, शहपुरा ब्लॉक में आयोजित किया जा रहा है। 11 ब्लॉक की 2 लाख 32 हजार ग्रामीण महिलाओं को 330 स्थानीय इंटरनेट साथियों की मदद् से 6 महीने में डिजिटल साक्षर करने लक्ष्य प्राप्ति की ओर बढ़ रहे है। प्रत्येक ब्लॉक मे 1.1 ब्लॉक समन्वयक और 330 इंटरनेट साथियों को रखा गया हैए साथियों को दो दिवसीय प्रशिक्षण ब्लॉक स्तर पर आयोजित कर प्रशिक्षित किया गया है प्रत्येक साथी को 2 स्मार्ट फोन दिये गये है जिसका उपयोग महिलाओं को सिखाने के लिए किया जा रहा है। अब वो साथी गांव की ग्रामीण महिलाओं को स्मार्ट फोन चालू बंद करने से लेकर मेन मिनु मुख्य मिनु आदि को सांकेतिक चिन्हों की मदद से पहचान कराकर उन्हे इंटरनेट चालू बंद करना, कैमरे से फोटो खींचना व वीडियो बनाना एवं गैलरी से फोटो और वीडियो की पहचान करना भी बताया जा रहा है, साथ ही यूट्यूब से स्वयं की आजीविका सुनिश्चित करेंगी, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि में भी सुधार होगा। सेहत के लिए यूट्यूब के जरिये ये महिलाएं अपने स्वास्थ्य की सुविधायें ले पायेंगी। यह भी बताया गया कि बच्चों की शिक्षा मे सुधार होगा। साथ ही व्यवसाय व नौकरी के अवसर भी बढ़ेंगे। यह जागरूकता महिलाओं व परिवार मे बदलाव अवश्य लायेगा।

ग्रामीण महिलाएं भी जान रही स्मार्ट फोन के फायदे

यश भारत कटनी Sun, 10 March 2019
https://www.readwhere.com/read/c/37496389

डिजिटल साक्षरता की ओर बढ़ रही ग्रामीण महिलाएं

डिजिटल साक्षरता से बढ़ेंगे स्वरोजगार के अवसर

ग्रामीण महिलाऐं भी जान रही स्मार्ट फोन के फायदे

कटनी, देशबन्धु। संस्था मानव जीवन विकास समिति द्वारा फिया फाउण्डेशन व फ्रेन्ड्स संस्था भोपाल के सहयोग से समिति मण्डला व डिण्डौरी जिले के 11 ब्लॉको के 1320 गांवों मे ग्रामीण महिलाओं को डिजिटल साक्षरता की ओर बढ़ावा दे रहे है। इन्टरनेट साथी कार्यक्रम के प्रोग्राम मेनेजर रामकिशोर चौधरी ने बताया की यह कार्यक्रम मण्डला जिले के 6 ब्लॉकों मण्डला, नारायणगंज, मोहगांव, घुघरी, नैनपुर व बिछिया ब्लॉक मे व डिण्डौरी जिले के 5 ब्लॉक डिण्डौरी, समनापुर, बजाग, करंजिया, शहपुरा ब्लॉक मे आयोजित किया जा रहा है। 11 ब्लॉक की 2 लाख इकतीस हजार 231000 ग्रामीण महिलाओं को 330 स्थानीय इंटरनेट साथियों की मदद् से 6 महीने मे डिजिटल साक्षर करने लक्ष्य प्राप्ति की ओर बढ़ रहे है। प्रत्येक ब्लॉक मे 1.1 ब्लॉक समन्वयक और 330 इंटरनेट साथियों को रखा गया हैए साथियों को दो दिवसीय प्रशिक्षण ब्लॉक स्तर पर आयोजित कर प्रशिक्षित किया गया है। प्रत्येक साथी को 2 स्मार्ट फोन दिये गये है। जिसका उपयोग महिलाओं को सिखाने के लिए किया जा रहा है। अब वो साथी गांव की ग्रामीण महिलाओं को स्मार्ट फोन चालू बंद करने से लेकर मेन मिनु, मुख्य मिनु आदि को सांकेतिक चिन्हों की मदद् से पहचान कराकर उन्हे इंटरनेट चालू बंद करना, कैमरे से फोटो खींचना व वीडियो बनाना एवं गैलरी से फोटो और वीडियो की पहचान करना भी बताया जा रहा है।

साथ ही यूट्यूब से स्वयं की आजीविका सुनिश्चित करेंगी, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि में भी सुधार होगा। सेहत के लिए यूट्यूब के जरिये ये महिलाएं अपने स्वास्थ्य की सुविधायें ले पायेंगी। यह भी बताया गया कि बच्चों की शिक्षा मे सुधार होगा। साथ ही व्यवसाय व नौकरी के अवसर भी बढ़ेंगे। यह जागरूकता महिलाओं व परिवार मे बदलाव अवश्य लायेगा।